केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 290 मंगलवार 20 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

झाडियों से 5 साल की मासूम का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र स्थित सिद्धनाथ गांव की झाड़ियों में मिली पांच साल के मासूम बच्ची की लाश के मामले में पुलिस दो एंगल पर तफ्तीश कर रही है, पहला एंगल हैं, जादू टोना व दूसरा पुरानी रंजिश। घटना रविवार दोपहर की है। गांव निवासी राजू जो कि कई माह से बीमार हैं। दूसरे नंबर की पांच वर्षीय बेटी श्रृष्टि अपने दादी को खोजने घर से निकली थी। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजन खोजने निकले, बेटी का देर शाम शव झाड़ियों में देख लोग दंग रह गए। जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने स्थलीय निरीक्षण किया और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस इस हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए दो एंगल पर जांच कर रही है। पहला जादू टोना व दूसरा पुरानी रंजिश, फिलहाल पुलिस ने बच्ची के परिजन की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के अनुसार घटना का पर्दाफाश करने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थानाक्षेत्र के हथियांव खुर्द चौराहे पर रविवार रात डीजे लदे पिकअप वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान कलवारी थानाक्षेत्र के शंकरपुर निवासी 27 वर्षीय अनिल कुमार के रूप में हुई। वह अपने ससुराल पाकड़डाड से वापस आ रहे थे।

योग समावेश में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश चौप्टर एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से पूर्वी जोन के सचिव आशीष टंडन एवं सहसचिव डॉ० रमेश चंद्रा के नेतृत्व में 70 दिनों के चल रहे अभियान के अन्तर्गत बस्ती में 'योग समावेश ' का कार्यक्रम स्कूलों में कराया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए विश्व संवाद परिषद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर डॉ० नवीन सिंह ने बताया कि आज के दौर में रोग का कारण स्ट्रेस, हाइपरटेंशन है इसके कारण डायबिटीज जैसी बीमारियां अब बच्चों में भी पाई जा रही हैं इससे बचने के लिए हमें अपने आहार को संतुलित करना होगा कब खाएं, कितना खाएं,कैसे खाएं क्यों खाएं हमें अपने दैनिक दिनचर्या में से अपने लिए 45 मिनट समय निकालकर वर्कआउट जरूर करें जैसे सुबह उठकर खुली हवा में 4 से 5 किलोमीटर टहले और और भोजन करते समय अपनी बाई जबड़े का ज्यादा प्रयोग करें, इस समय का सीजनल सब्जियां और फल, हरी धनिया ,भिंडी का प्रयोग करें ।

इंडियन योग एसोसिएशन एवं सनातन धर्म संस्था के द्वारा शिविर में सेंट जोसेफ स्कूल जिगना बस्ती के ढाई सौ से अधिक बच्चों को स्वस्थ रहने का टिप्स दिया गया।

शिविर में मुख्य रूप से कार्यक्रम के संरक्षक कर्नल के.सी. मिश्रा,सनातन धर्म के अध्यक्ष अखिलेश दुबे,लीला सिंह ,शाहीन गरिमा पाल ,मीना शुक्ला ,जूही श्रीवास्तव ,नीतू गुप्ता ,वंदना मिश्रा, पूनम पाल ,रितु मिश्रा ,सृष्टि श्रीवास्तव ,उषा श्रीवास्तव ,वंदना पांडे , डॉ संगीता यादव , सन्नो दुबे आदि उपस्थित रहे ।

मंत्री विजय शाह की माफी नामंजूर

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने के लिए मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह को सोमवार को फटकार लगाई और उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी संबंधी जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मंत्री से कहा कि उसने उनके वे वीडियो देखे हैं जिनमें उन्होंने ये टिप्पणियां की हैं और माफी मांगी है। पीठ ने पूछा कि क्या यह माफी ''मगरमच्छ के आंसू हैं या कानूनी कार्यवाही से बचने का प्रयास हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''इन टिप्पणियों के कारण पूरा देश शर्मसार है, हमने आपके वीडियो देखे, आप बहुत घटिया भाषा का इस्तेमाल करने वाले थे, लेकिन किसी तरह से आपकी समझ कुछ काम कर गई या आपको शब्द नहीं मिले। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरा देश हमारी सेना पर गर्व करता है और आपने यह बयान दिया।''

पीठ ने मंत्री से कहा, ''यह किस तरह की माफी थी? आपको सीधे सीधे अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए थी और माफी मांगनी चाहिए थी लेकिन आपने कहा कि अगर आपने यह और वह कहा , और फिर मैं माफी मांगता हूं। माफी मांगने का यह कोई तरीका नहीं है। आपने जो अशोभनीय टिप्पणियां की हैं, आपको शर्म आनी चाहिए।''

शाह का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह और विभा दत्त मखीजा ने किया। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को मंगलवार सुबह 10 बजे तक आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने को कहा। इस दल में एक महिला अधिकारी भी शामिल होगी। यह दल मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज प्राथमिकी संबंधी जांच करेगा। पीठ ने कहा कि एसआईटी द्वारा पहली स्थिति रिपोर्ट 28 मई तक दाखिल की जानी चाहिए।

अदालत ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते मंत्री को एक उदाहरण पेश करना चाहिए था और हर एक शब्द का इस्तेमाल समझदारी से करना चाहिए था।

दिव्यांगों को रोजगार से जोड़ने की पहलः शिविर में दिया जानकारी

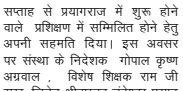

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को शिक्षित युवा सेवा समिति पाण्डेय बाजार में दिव्यांगों के रोजगार हेतु एक कैंप का आयोजन डॉक्टर रेडिस फाउंडेशन के सौजन्य से संचालित ग्रो प्रशिक्षण केंद्र प्रयागराज के माध्यम से किया गया । इसमें 65 अस्थि एवं श्रवण दिव्यांग जन युवाओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षणार्थियों को ग्रो केंद्र के प्रशिक्षक ने विस्तार पूर्वक 2 माह के आवासीय निशुल्क प्रशिक्षण की जानकारी देने के साथ प्रशिक्षण के बाद उनके विभिन्न कंपनियों जिनमे अमेजॉन, फ्लिपकार्ट ,इंडिगो, विशाल मेगा मार्ट, बी मार्ट आदि कंपनियों में समायोजन की जानकारी दी । 30 से अधिक युवाओं ने आगामी सप्ताह से प्रयागराज में शुरू होने वाले प्रशिक्षण में सम्मिलित होने हेतु अपनी सहमति दिया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक गोपाल कृष्ण अग्रवाल , विशेष शिक्षक राम जी सुख, जितेन श्रीवास्तव चंदेश्वर प्रसाद मिश्र, पूनम सिंह, अनसूया पाण्डेय, चांदनी त्रिपाठी, राम सुरेश , पूजा, शिवम, विक्रम सिंह, गुलनाज, आनंद प्रताप, ऋषभ, विनय, गौरव, अवनीश, रामलौट अंकुर आदि उपस्थित रहे।

चौपाल में दिया उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के योजनाओं की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा ओड़वारा द्वारा शाखा प्रबंधक विमलेश कुमार के संयोजन बैंक परिसर में चौपाल का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक अरूण कुमार मिश्र ने चौपाल में उपस्थित लोगों को बैंक द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दिया। उन्होने बताया कि भारत सरकार के दिशा निर्देश के अनुरूप यूपी के तीन ग्रामीण बैंक बड़ोदा यूपी बैंक, प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक और आर्यावत को मिलाकर एक राज्य एक ग्रामीण बैंक के तहत 1 मई 2025 से प्रभावी उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के रूप में क्रियान्यवन कर दिया गया है।

चौपाल में बैंक में संचालित ऋण, जमा, सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति बीमा, फसल बीमा योजना आदि की जानकारी क्षेत्रीय प्रबंधक अरूण कुमार मिश्र ने दिया। उन्होने चौपाल में उपस्थित लोगों द्वारा उठाये गये प्रश्नों का समुचित उत्तर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ प्रबंधक अजय किशोर, पूर्णिमा पाण्डेय, विमलेश कुमार, विशाल चौधरी के साथ ही बैंक के ग्राहक, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के लोग उपस्थित रहे।

जागरूकता से टूटेगी साइबर अपराधियों की कमरः छात्रों को दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को डा. वी. के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, बसुआपार, बढ़नी में साइबर जागरूकता अभियान में साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता गोष्ठी का आयोजन गया। कार्यक्रम में साइबर प्रभारी निरीक्षक विकास यादव, ने 'जानें, समझें और सतर्क रहें की विस्तार से जानकारी देते हुये विद्यार्थियों को साइबर क्राइम से सतर्क करना एवं डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के उपायों की विस्तार से जानकारी दिया। बताया कि साइबर क्राइम की शिकायत तुरंत करें। सोशल मीडिया पर अपना मोबाइल नंबर या निजी जानकारी साझा न करें और किसी भी प्रकार के लालच में न आएं। बताया कि साइबर क्राइम की स्थिति में टोल फ्री नम्बर 1930 पर तत्काल सूचना दें।

एस. आई. सुभाष सिंह ने साइबर अपराध के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सोशल मीडिया, बैंकिंग धोखाधड़ी, हैकिंग और फिशिंग जैसे अपराध युवाओं को निशाना बना रहे हैं। बताया कि जागरूकता से ही साइबर अपराधियों की कमर टूटेगी। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये सबको जागरूक होना होगा।

कार्यक्रम में अनजान एपीके फाइलें डाउनलोड न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, एआई से बने फर्जी कॉल और वीडियो से सतर्क रहने की सलाह दी गई । बताया कि स्मार्ट डिवाइसेज को सुरक्षित रखें क्योंकि इन्हें हैक किया जा सकता है। एक्सटेंशन के जरिए रिमोट कंट्रोल से भी सावधान रहें।

साइबर जागरूकता अभियान र्काक्रम में मुख्य रूप से कांस्टेबल रूपेश यादव, डॉ. आर. एन. चौधरी, डॉ. चंदा सिंह डॉ. आलोक रंजन वर्मा, डा. लालजी यादव, शिव प्रसाद चौधरी, प्राचार्य पवन कुमार गुप्ता, प्रवक्ता भूपेंद्र चौधरी प्रवक्ता घनश्याम यादव विनोद चौधरी, वीरेंद्र वर्मा ओमप्रकाश वर्मा, विशाल गुप्ता, शंकर यादव, विमल, रजनी देवी इंद्रावती देवी सहित संस्थान के कर्मचारी और छात्र–छात्राएं शामिल रहे।

लापरवाही, उदासीनता, भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं–आशीष पटेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उच्चस्तरीय विकास कार्यो एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं सभी महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें। मा. मंत्री ने जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय से और पारदर्शी तरीके के साथ पॅहुचाया जाय। किसी भी स्तर पर लापरवाही, भ्रष्टाचार या उदासीनता बर्दाश्त नही की जायेंगी। बैठक में प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम, आपरेशन कायाकलप, ओडीओपी, फार्मर रजिस्ट्री, जलजीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, पेंशन योजनाए, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, आपूर्ति, सड़क निर्माण एवं अन्य योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा हुयी।

जलजीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने गुणवत्ता व पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दियें। बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के अन्दर पूर्ण करायें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा जो सुझाव दिया जाता है उसे अमल में लाया जाय तथा परियोजना पूर्ण होने के पश्चात जनप्रतिनिधियों को सूचित करे और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाय।

बैठक में उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय, गन्ना विभाग, वन विभाग के अधिकारियों को अनुपस्थित पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिया है। उन्होने बाढ़ से प्रभावित गॉवों की समीक्षा करते हुए अधिषासी अभियन्ता बाढ को निर्देश दिया कि बाढ से बचाव के लिए समस्त आवश्यक तैयारी समय से पूर्ण कर लिया जाय तथा जनप्रतिनिधियों से मिल कर उनके सुझाव भी ले लिए जाय। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीनी विवाद के प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि ज्यादातर मामले ग्रामीण क्षेत्र के रहते है, प्रकरण आने पर ससमय निस्तारण करायें। उन्होने रोड एक्सिडेण्ट, मारपीट मामले जैसे प्रकरण में चोटिल व्यक्ति के अस्पताल पहॅुचने पर तत्काल इलाज करना शुरू करें, उसके पश्चात पुलिस जॉच की कार्यवाही कराये, यह निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया।

बैठक में जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, विधायक हर्रैया अजय सिंह, उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग उ0प्र0 महेश कुमार शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर, सदर के मो. सलीम, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, अपना दल के जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, एआरटीओ पंकज कुमार, एलडीएम आर.एन. मौर्या, डीएसओ सत्यवीर सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, डीसी मनरेगा संजय शर्मा सहित जनपदस्तरीय अधिकारी तथा कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बैठक के पश्चात प्रभारी मंत्री ने जलजीवन मिशन योजनान्तर्गत (हर घर जल) मडवानगर में निर्माणाधीन टंकी का निरीक्षण किया। यह कार्य कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा किया जा रहा है। इसकी लागत रू. 850.94 लाख है। इस अवसर पर विधायक हर्रैया अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, अधिशासी अभियन्ता जलनिगम जनार्दन सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

धरने की चेतावनी के बाद दलित उत्पीड़न मामले में कलवारी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दलित परिवार की पिटाई, जान से मार देने की धमकी देने के मामले में राष्ट्रीय लोकदल के जिला महासचिव अभय पटेल द्वारा धरना दिये जाने की चेतावनी के बाद कलवारी पुलिस ने धोबहट निवासी दलित मिश्रीलाल पुत्र कौलेसर की तहरीर पर अम्बिका यादव सहित 6 लोगों के विरूद्ध दलित उत्पीड़न के साथ ही बीएनस की धारा 191 (2), 191 (3), 115 (2), 352, 351 (3) आदि धाराओं में नामजद मुकदमा पंजीकृत किया। मुकदमा दर्ज हो जाने के बाद दलित मिश्रीलाल आदि में प्रसन्नता है। पीड़ित परिवार ने सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर सहयोग के लिये आभार व्यक्त करते हुये प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, प्रदेश सचिव अनुसूचित प्रकोष्ठ शिव कुमार गौतम, जिला महासचिव अभय पटेल, अरूण चौधरी, नागेन्द्र कुमार आदि का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

–पीड़ित परिवार में प्रसन्नता, नेताओं के पहल का किया स्वागत

बतातें चले कि कलवारी थाना क्षेत्र के धोबहट निवासी दलित मिश्रीलाल ने एसपी, डीआईजी और सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर कहा था कि गत 12 मई को वे अपनी कार से पत्नी विमला देवी के साथ रिश्तेदारी में मरहा गांव जा रहे थे, कार उनका बेटा हरिओम चला रहा था। कड़बड़वा के पास गांव के ही अम्बिका यादव पुत्र राजेश यादव, पिन्टू यादव पुत्र राम दरश, शिव भगत यादव पुत्र रामचेत, प्रमोद यादव पुत्र रामलौट, मनीष यादव पुत्र चैन प्रकाश आदि ने अपनी कार को सामने लाकर खड़ा कर दिया और असलहा, डण्डा, लोहे का पाइप आदि लेकर उनके लड़के हरिओम को घेर लिया और कहा कि बहन के मामले में सुलह कर लो वरना जान से मारे जाओगे। उक्त लोगों ने जाति सूचक गालियां देते हुये हत्या करने की नीयत से उनके बेटे, पत्नी को बुरी तरह से मारा पीटा। लोगों के पहुंच जाने पर दबंग धमकियां देकर भाग गये। कलवारी पुलिस ने इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जगह पीड़ितों को ही थाने से भगा दिया। अंततः भाजपा, कांग्रेस, रालोद, बहुजन समाज पार्टी, सरदार सेना, भीम आर्मी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, भारत मुक्ति मोर्चा सहित अनेक राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की पहल पर कलवारी पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया। संगठनों ने सोमवार से धरना देने की चेतावनी दिया था। पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर लिये जाने के बाद धरना स्थगित कर दिया गया।

छत ढहने से तीन घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।दुबौलिया थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत बेसौरा में रविवार की सुबह करीब सात बजे एक पुराने मकान की छत का एक हिस्सा अचानक भरभरा कर ढह गया। कमरे में बैठे पूर्व प्रधान सहित तीन लोग हादसे में घायल हो गए। घायलों को कुसौरा बाजार स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुबौलिया थानाक्षेत्र के बेसौरा निवासी पूर्व प्रधान लालचंद्र का मकान गांव में स्थित है। वह अपने परिवार संग पुराने मकान में रहते हैं। रविवार की सुबह वह परिजनों संग अपने मकान जिस हिस्से में मौजूद थे, उसकी छत भरभरा कर ढह गई।

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में लगे भारतीय सेना जिन्दाबाद के नारे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, गनेशपुर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनमती चौधरी के नेतृत्व में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा गनेशपुर नगर पंचायत के चौरवा तिराहा से चलकर शंकर नगर चौराहा बड़ी बाजार और विभिन्न वार्डो से होते हुये 'वंदे मातरम', भारत माता की जय, 'भारतीय सेना जिन्दाबाद' का नारा लगाते हुये हाथों में तिरंगा लिये पुलिस चौकी तिराहा तक पहुंची।

–आपरेशन सिन्दूर की सफलता राष्ट्र के सम्मान का प्रतीक– दयाराम चौधरी

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को सम्बोधित करते हुये दयाराम चौधरी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का साहसिक अभियान राष्ट्र के सम्मान का प्रतीक बन चुका है। यह तिरंगा यात्राएं न केवल आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष नागरिकों को सच्ची श्रद्धांजलि हैं, बल्कि पूरे देश को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का संदेश देती हैं। भारतीय सैनिकों ने अपने पराक्रम से पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादियों के अड्डों को तहस नहस कर दिया। पहलगाम में 26 पर्यटकों की क्रूरतम हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान को आईना दिखा दिया है। भारत किसी कीमत पर आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

गनेशपुर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनमती चौधरी ने कहा कि भारत अब आतंक के खिलाफ चुप नहीं बैठने वाला है। पाकिस्तान की ओर से अब कोई भी गोलीबारी सीधे आतंकी गतिविधि मानी जाएगी और भारत उसका मुंहतोड़ जवाब देगा। कुशल नेतृत्व में देश की तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और आतंकवादियों को ढेर कर दिया। भाजपा किसान मोर्चा के मण्डल उपाध्यक्ष अर्जुन चौधरी के संयोजन में निकली भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से अरविन्द श्रीवास्तव, शिव नरायन चौधरी, उमेश तिवारी, डा. परशुराम साहनी, ओंकार चौधरी, रियाजुल हसन, भगवान मिश्र, कामेन्द्र चौहान, उमेश गुप्ता, राजन श्रीवास्तव, पप्पू उपाध्याय, राकेश पाण्डेय, राजेन्द्र चौधरी, विनोद चौधरी, जगदीश चौधरी, रविन्द्र मिश्र, दुक्खी चौधरी, गजेन्द्र चौधरी, परसुराम यादव, प्रकाश निषाद, मोनी तिवारी, राम बहादुर चौधरी, उमाशंकर चौधरी, राजन पाण्डेय, आशीष चौधरी, उदयभान चौधरी, दुर्गा चौधरी, चन्द्रभान चौधरी, रामतेज चौधरी, राजनीश पटेल, हरिनाथ चौधरी, लालचंद चौधरी, महेन्द्र चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, मनीष चौधरी, सचिन पाण्डेय के साथ ही गनेशपुर और आसपास के क्षेत्रों के नागरिक, सभासद और भाजपा नेता शामिल रहे।

एक देश, एक चुनाव पर प्रबुद्ध समागम में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक देश एक चुनाव पर सोमवार को नगर पंचायत नगर सभागार में प्रबुद्ध समागम हुआ। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वन नेशन वन इलेक्शन गोष्ठी के जिला समन्वयक पवन कसौधन ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में आर्थिक बोझ को कम करने के लिए एक देश एक चुनाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो संकल्प प्रधानमंत्री मोदी जी ने लिया है उसको एक जन आंदोलन का रूप देते हुए समाज के सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना हम सभी का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव की मूलभूत आवश्यकता हम सभी को है। कार्यक्रम संयोजक राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि एक देश एक चुनाव की व्यवस्था लागू होने पर देश आर्थिक रूप से समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के लिए यह कानून मील का पत्थर साबित होगा। श्री राना ने इसे शीघ्र लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इससे जहां देश मे बार बार आचार संहिता के नाम पर विकास कार्य प्रभावित नहीं होंगे वहीं निर्वाचित जन प्रतिनिधि भी स्वतंत्र होकर अपना कार्यकाल पूरा कर सकेंगे।

कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर एस एन सिंह ने कहा कि देश के लिए यह कानून प्रत्येक दशा में लाया जाना चाहिए। सभासद राजेश पाण्डेय ने एक देश एक चुनाव कानून की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी प्रकार एक देश एक शिक्षा व्यवस्था तथा एक देश एक स्वास्थ्य व्यवस्था भी होना चाहिए। भाजपा नेता जगदीश पांडेय, रणविजय गौतम, श्रुति कुमार अग्रहरि, सत्यराम निषाद, अखिलेश यादव, नियाज अहमद, शिवम् कसौधन, श्याम सुंदर सिंह, संजय पाण्डेय, शतीश मिश्रा, राम सजन यादव , तुलसी राम, बिंदू लाल सोनकर, विजय साहनी, विजय जैसवाल, चंद्र मणि मिश्रा, राज कुमार चौधरी, प्रदीप निषाद ने भी अपने विचार व्यक्त किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक **भारतीय बस्ती**

बस्ती 20 मई 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

सर्वदलीय यात्रा

पड़ोसी देश पाकिस्तान में आतंकवादियों को संरक्षण मिलता है यह पूरी दुनियां जानती है। इसके बावजूद दुनियां को उसके सच से परिचित कराने के लिये सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का कई देशों में यात्रा का निर्णय सराहनीय है। उम्मीद की जानी चाहिये कि सदस्य सांसद राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर देश का पक्ष मजबूती से रखेंगे। पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सच दुनिया के सामने उजागर करने के मकसद से सरकार ने संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख देशों की यात्रा पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया है। इसके लिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधि प्रमुख देशों के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाने का प्रयास करेंगे। हालांकि पाकिस्तान की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है, दुनिया के ज्यादातर देश उसे आतंकवाद का गढ़ मानते हैं। विश्व आतंकवाद की ताजा सूची में भी उसे शीर्ष पर रखा गया है। फिर भी भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष में कुछ देश उसके साथ खड़े नजर आए।

यह तब है, जब भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद को समाप्त करने के मकसद से चलाया गया। इसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश कर दिए गए कि हवाई हमले में भारत ने केवल उन नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जहां आतंकी शिविर चल रहे थे। दुनिया के तमाम देश आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध का समर्थन करते हैं, फिर भी पाकिस्तानी दहशतगर्दों के खिलाफ भारत के अभियान पर कुछ देशों ने अपने स्वार्थ ऊपर रखे।

ऐसी स्थिति में पाकिस्तान को पूरी दुनिया से अलग–थलग करने का यही कारगर तरीका हो सकता है कि जमीन पर तो उसकी आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब दिया ही जाए, सारे विश्व को बताया–दिखाया जाए कि वह किस तरह दहशतगर्दों को पालता–पोसता रहा है। भारत के पास इसके पुख्ता सबूत हैं। हवाई हमले में मारे गए एक दहशतगर्द के जनाजे में जब वहां की सेना के अधिकारी और राजनेता शरीक हुए, तो वे तस्वीरें पूरी दुनिया ने देखीं। फिर भी ऐसे दस्तावेज जब भारतीय संसद के प्रतिनिधि खुद पेश करेंगे, तो उसका असर कई गुना बढ़ जाएगा।

सैन्य संघर्ष के दौरान भी भारत के विरोध के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन हमेशा अपनी वीटो शक्ति का उपयोग कर पाकिस्तान को बचाता रहता है। अमेरिका भी पाकिस्तान की हकीकत से वाकिफ है। विश्व व्यापार संगठन की इमारत पर हमला और फिर उस हमले के सरगना ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में छिपे होने का तथ्य उसी का उजागर किया हुआ है। इसके बावजूद अमेरिका का रुख पाकिस्तान की तरफ नरमी का ही देखा जा रहा है। ऐसे में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के जरिए पाकिस्तान के रवैये का सच दुनिया को बताना कारगर साबित हो सकता है।

यह भी अच्छी बात है कि इस मौके पर सभी राजनीतिक दलों ने सकारात्मक रुख दिखाया और सहयोग किया है। सरकार के इस फैसले पर सभी दलों ने उत्साह दिखाया है। हालांकि प्रतिनिधियों के चुनाव को लेकर कुछ राजनीतिक हलचलें दिखीं, पर अच्छी बात है कि इसे किसी दल ने तूल नहीं दिया है और सहयोग का ही रुख अपनाए रखा है। इससे दुनिया भर में सकारात्मक संदेश जाएगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का विश्व राजनीति में विशेष महत्त्व होता है।

जब ये प्रतिनिधिमंडल निर्धारित देशों में जाएंगे और पाकिस्तान प्रायोजित दहशतगर्दी के तथ्य पेश करेंगे, तो उसका दस्तावेजी और कूटनीतिक महत्त्व होगा। निस्संदेह इस पर वे देश पाकिस्तान के बारे में नए ढंग से सोचने का प्रयास कर सकते हैं। इसके बाद जब भी विश्व बिरादरी में पाकिस्तान को लेकर कोई प्रस्ताव पेश होगा, तो यह पहल प्रभावकारी साबित होगी।

कूटनीति में मित्रता, शत्रुता के नये सन्दर्भ

–ज्योति मल्होत्रा–

भारत–पाक टकराव रोकने में मध्यस्थता के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के साथ हाल की कई घटनाएं सबक देने वाली हैं। पहला ,राजनीति में दोस्ती नहीं, हित स्थाई होते हैं। वहीं शासक समर्थ है तो नीतिगत फैसलों पर सवाल नहीं उठते। ट्रंप अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की दिशा बदल रहे हैं। इसी तरह विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगान समकक्ष मुत्ताकी से फोन पर बात की। तालिबान कैसे साधा, यह गाथा दिलचस्प है।

कुछेक दिन पहले हुए भारत–पाकिस्तान टकराव में अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से छह बिंदुओं वाला खंडन पत्र जारी करने के कुछ घंटों बाद ही,डोनाल्ड ट्रम्प ने छठवीं बार जोर देकर कहा कि बीच–बचाव उन्होंने ही करवाया है रू '३और वैसे तो मैं बताना नहीं चाहता था कि मध्यस्थता मैंने की है, लेकिन पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मैंने मदद की है, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी'। उक्त कथन ट्रम्प ने गुरुवार को कतर स्थित अमेरिका के अल–उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते व्यक्त किया, जो उनके खाड़ी दौरे का अंतिम पड़ाव था। आखिर में यह भी कह गए :'मैं आपको बता रहा हूं,मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने परमाणु युद्ध को टाला'।

अब या तो आप अविश्वास में अपनी आंखें गोल–गोल घुमाएं या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों पर यकीन कर लें,जिसका मतलब बकौल उनके यह है कि उन हालात में एक शक्तिशाली तीसरे पक्ष की आवश्यकता थी दृ अर्थात वे स्वयंदृ जिसका प्रभाव भारत और पाकिस्तान, दोनों पर हो, ताकि वहां के लोगों को एक–दूसरे पर फिर से हमला करने और उनके बीच '1,000 साल से चले आ रहे युद्ध' को जारी रखने से रोका जा सके।

लेकिन कहानी में तीन और सबक हैं। पहले का संकेत तब मिला, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते गुरुवार शाम अफगानिस्तान में अपने समकक्ष यानि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की। कोई नहीं जानता कि किसने किसको फोन किया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह जरूर बताया कि जयशंकर ने पहलगाम नरसंहार को लेकर मुत्ताकी द्वारा की गई निंदा की सराहना की है।

पहली (अंतिम तीन में से) सीख यह नहीं कि जयशंकर और मुत्ताकी ने वास्तव में एक–दूसरे से बात कीदृ यहां गौरतलब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक नेता ने एक ऐसे व्यक्ति से बात की जिसकी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता तक नहीं, वह तो केवल एक शासन का प्रतिनिधि है – या फिर उन्होंने जानबूझकर यह खुले तौर पर किया।

यहां सबक यह कि भारत ने इस बात की कोई परवाह नहीं की कि उसी तालिबान से बात करने के लिए आलोचना की जाएगी या नहीं, जिसने 15 अगस्त, 2021 को दूसरी बार सत्ता में आने से पहले, और उसके बाद से, हरेक नियम का सब तरह से उल्लंघन किया। सच तो यह कि जयशंकर ने तो इस मामले में ट्रंप का ही अनुसरण किया। वो यह कि अगर आपके अंदर सत्ता में टिके रहने की क्षमता है, तो आपके अपने विचारों में बदलावों के साथ–साथ देश की स्थापित नीतियों की दिशा बदलने की आपकी मूर्खता को भी माफ कर दिया जाएगा।

जरा ट्रंप को देखें। वह अपने देश के कट्टर दुश्मन व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैं, बीते हफ्ते की शुरुआत में उन्होंने रियाद में अल–कायदा के सबसे नए सहयोगी से हाथ मिलाया, जिसका शासन इन दिनों सीरिया पर हैय और कट्टरपंथी इस्लामवादी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह के गढ़ कतर में,उन्होंने सभी संकेतों को नजरअंदाज कर दिया क्योंकि अल–थानी के शेखों ने उनकी भव्य अगवानी की, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए उपहार में दिया 400 मिलियन डॉलर का विमान भी शामिल है।

यहां तक कि जब कतर के व्यापारियों को संबोंधित करते हुए अपना यह ऐतराज जताया कि एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत में आईफोन बनाने जा रहे हैं ('मैंने उनसे कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूं३ लेकिन अब सुना है कि आप भारत में आईफोन बनाने ज रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में उत्पादन करें३'), तो भारत ने इस पर प्रतिक्रिया न देकर सरासर नजरअंदाज किया। इसकी बजाय, भारतीयों ने एप्पल के अधिकारियों का रुख किया, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि कुक वास्तव में भारत में कारखाना स्थापित करने की अपनी योजना को जारी रखेंगे।

पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज़्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने,भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने–अपने टैरिफ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं दृ और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा हैदृ 'न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं'। बीते दिन के अखबार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है, पिछले हफ्ते के पक्के दोस्त आज दूर के रिश्तेदार हो सकते हैं। इसलिए 'अब की बार ट्रम्प सरकार' किसी और ही सदी का नारा था। आज की सुरक्षा आपके पाले में एप्पल जैसों के आने से बनेगी, क्योंकि वह कंपनी इतनी शक्तिशाली है कि ट्रम्प के पास टिम कुक को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं। जहां तक ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच 'मध्यस्थता' का श्रेय लेने की बात है, वैसे तो अब न्यूयॉर्क टाइम्स भी मान रहा है कि हमलों में भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। जहां तक पाकिस्तान द्वारा इस संघर्ष में अपनी 'जीत' का जश्न मनाने का प्रश्न है, तो शायद न तो ट्रम्प ने और न ही पाकिस्तानियों ने नजरअंदाज किया है कि 11 पाकिस्तानी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बींध दिया। इसी वजह से पाकिस्तानियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का रुख किया और उनसे लड़ाई बंद करवाने की गुहार लगाई। या, हो सकता है, ट्रम्प ने खुद से इस पर गौर किया होदृ हालांकि अब वे किसी और चीज में व्यस्त हो चुके हैं, फिलहाल नए जन्मे पोते का जश्न मना रहे हैं।

तीसरी सीख यह है कि सत्ता में अपने तीन महीनों में, ट्रम्प ने आधी दुनिया को सफलतापूर्वक नाराज कर डाला है। तथ्य है कि चीन को जलाकर राख करने के अपने वादे–इरादे से वे मुकर गए हैं क्योंकि उनकी अपनी अमेरिकी कंपनियों का विशाल कारोबार चीन में है, जिनसे वे काफी मुनाफा कमाते हैं, अवश्य ही उन्होंने यह समझाया होगा कि चीन पर उच्च टैरिफ केवल अमेरिकी ग्राहकों को ही नुकसान पहुंचाएगा दृ यह दर्शाता है कि जब आप शक्तिशाली हों, तो हल्की बातें भी चल निकलती हैं।

जहां तक जयशंकर–मुत्ताकी बातचीत का प्रश्न है, वास्तव में यह संवाद ऑपरेशन सिंदूर के अंत के करीब हुआ है या कहें कि ऐसे मौके पर जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से खंजर खिंचे हुए हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में, भारत पिछले कुछ समय से तालिबान को डोरे डालने की कोशिशें कर रहा है, लगभग उसी समय से जब उसने 2021 में भारत की स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के दिन काबुल पर कब्जा कर लिया था। एक साल बाद काबुल की अपनी यात्रा पर, यह स्पष्ट दिखा कि तालिबान के किसी समय अपने उस्ताद और संरक्षक यानि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ रिश्ते बिगड़ चुके हैं। यह कहानी कि आईएसआई ने तालिबान पर किस प्रकार पकड़ बनाई और उसका तब तक पोषण किया, जब तक पश्चिमी मुल्कों ने 9ध्11 के बाद अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर लिया था, यह कि कैसे आईएसआई ने 20 साल तक इसका खूब फायदा उठाया और उसके बाद तालिबान को अमेरिकियों और उसके नाटो सहयोगियों से देश वापस छीनने में मदद की यह किस्सा फिर किसी वक्त के लिए।

गत सप्ताह के बड़े खेल में, जबकि सतलुज के पानी की भांति ट्रंप अपना बहाव नित बदल रहे हैं और शेष दुनिया उसके मुताबिक खुद को पुनर्व्यवस्थित करने में जुटी है दृ भारत ने तालिबान को कैसे अपनी तरफ किया, यह गाथा शायद ज्यादा दिलचस्प है।–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

सेना पर नेताओं के बिगड़े बोल

– ललित गर्ग–

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे–बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप– मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है।

नये सन्दर्भों में भारत–रूस

– कमलेश पाण्डेय–

कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, भारत–रूस जैसे मजबूत देशों के श्कॉमन शत्रुश अमेरिका–ग्रेट ब्रिटेन समझे जाते हैं। इसलिए यूरोप–अमेरिका खासकर यूएसए–यूनाइटेड किंगडम से मुकाबले के लिए रूस को भारत की जरूरत हमेशा पड़ेगी। चूंकि रूस, भारत का सबसे भरोसेमंद देश है, इसलिए उसकी चिंता को भारत हमेशा अपनी चिंता समझते आया है। ठीक इसी प्रकार से रूस को भी भारत की चिंताओं को अपनी चिंता समझनी चाहिए, भले ही वह चीन से ही जुड़ीं हुईं क्यों न हो! अक्सर देखा जाता है कि भारत–पाकिस्तान मामलों में रूस मुखर हो जाता है, लेकिन भारत–चीन मामलों में मौन! आखिर ऐसा क्यों और कबतक? वहीं, भारत का नया दोस्त अमेरिका, भारत–चीन मामलों में तो मुखार रहता है, लेकिन भारत–पाकिस्तान मामलों में वह थोड़ा पाकिस्तान की तरफ झुक जाता है, ताकि युद्ध बढ़े, हथियार बिके! भारत इन कूटनीतिक चतुराइयों को बखूबी समझते आया है, इसलिए वह गुटनिरपेक्ष बने रहते हुए भी अमेरिका के मुकाबले रूस से ज्यादा सहानुभूति रखता है।

कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, भारत–रूस जैसे मजबूत देशों के श्कॉमन शत्रुश अमेरिका–ग्रेट ब्रिटेन समझे जाते हैं। इसलिए यूरोप–अमेरिका खासकर यूएसए–यूनाइटेड किंगडम से मुकाबले के लिए रूस को भारत की जरूरत हमेशा पड़ेगी। भले ही चीन उसके साथ हो, किन्तु उसके अलावा भारत की जरूरत भी उसे निश्चित रूप से पड़ेगी, क्योंकि मौजूदा भू–राजनीतिक समीकरण में गुटनिरपेक्ष भारत जिसके पाले में जायेगा, उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी।

इसलिए वक्त का तकाजा है कि ष्नई दिल्ली–मॉस्को डिप्लोमैटिक एक्सप्रेस वेष को बहुत ही तल्लीनता पूर्वक नया आकार दिया जाए। इस नजरिए से रूस के अलावा चीन को भी समझदारी दिखानी पड़ेगी, अन्यथा पश्चिमी देश अपने दूरगामी हितों की पूर्ति के लिए उसे नष्ट करके ही दम लेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि चीन को मजबूत आर्थिक व वैज्ञानिक ताकत बनाने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। हालांकि अब चीन, अमेरिका के लिए भस्मासुर बन चुका है, इसलिए अमेरिका उसे पड़ोसियों के साथ उलझकर बर्बाद करना चाहता है, ताकि दुनिया के थानेदार के रूप में उसकी गद्दी सुरक्षित रहे।

याद दिला दें कि जैसे यूएसएसआर को अमेरिका ने 1980 के दशक में छिन्न–भिन्न करवा दिया और उसके मजबूत उत्तराधिकारी रूस को यूक्रेन से अबतक उलझाए रखा है। वहीं, चीन को ताइवान–भारत से उलझाकर बर्बाद करना चाहता है। जबकि भारत के खिलाफ पाकिस्तान–बंगलादेश की पीठ ठोकने में कभी प्रत्यक्ष तो कभी छुपे रुस्तम की भूमिका निभाता है। इसलिए रूस–चीन–भारत के त्रिकोण और ब्रिक्स देशों के नेतृत्व को बारीक कूटनीति करनी होगी, ताकि दुनिया पर पश्चिमी देशों के शिकंजे को कमजोर करके एशियाई हित साधा जा सके। इस प्रकार भारत–रूस के ऐतिहासिक सम्बन्धों की दिशा में यदि कोई बाधक तत्व है तो वह चीन की भारत सम्बन्धी श्खलनीतिश वाली कूटनीति! देखा जाए तो जिस तरह से चीन ने कभी भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त तिब्बत प्रदेश पर 1950 के दशक में कब्जा जमाया और उसे जायज ठहराने के लिए 1962 में भारत पर युद्ध थोपा दिया, वह उसकी दुष्टता की पराकाष्ठा थी।

तत्पश्चात चीन ने पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश को संरक्षण दिया, जो भारतीय गरिमा के खिलाफ है। चूंकि चीन, अपनी कूटनीति के तहत भारत के पड़ोसी देशों–नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान के अलावा विभिन्न अरब देशों–ईरान, टर्की और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों– इंडोनेशिया, मलेशिया आदि को भारत के खिलाफ भड़काते हुए पाकिस्तान के करीब लाने में मदद करता है, इसलिए भारत को रूस के अलावा अमेरिका और यूरोप को भी साधना पड़ा!

दरअसल, दुनियावी भू–राजनीति में 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के पतन और भूमंडलीकरण, निजीकरण के बाद वर्ष 2000 के दशक में एक ऐसा मोड़ आया, जब पूरी दुनिया ने यह महसूस किया कि बेलगाम इस्लामिक आतंकवाद के उन्मूलन के लिए भारत और अमेरिका–यूरोप का साथ आना जरूरी है। चूंकि इस मुद्दे पर दोनों समूहों की चिंताएं साझी प्रतीत हो रही थीं। इसलिए भारत ने भी अमेरिका से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, जो कि रूस को नागवार गुजरी।

यह बात एक हद तक इसलिए भी सही थी कि अमेरिका–यूरोप कभी भी किसी देश के प्रति वफादार नहीं रहते। इसलिए भारत सदैव इस नई दोस्ती से सतर्क रहा। उसने उत्साहपूर्वक कभी भी रूस–चीन विरोधी पहल में बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं मिला। सिर्फ अपने प्रतिरक्षात्मक हितों को ही वरीयता दिया। इसलिए ढाई दशक बाद ही सही लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद दिखाई पड़ी अमेरिकी–यूरोपीय बौखलाहट ने भारत के कान खड़े कर दिए हैं।

सड़क हादसे में कांस्टेबल समेत दो की मौत, ट्रैक्टर से टकराई थी बाइक, एक घायल

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र में रविवार रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एनएच 730 पर गोवरही चौराहे के पास एक बाइक और बारात ले जा रही ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर में यूपी पुलिस के एक कांस्टेबल समेत दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा रात करीब 10 बजे हुआ जब देवरिया के सिरनदेई गांव निवासी 26 वर्षीय कांस्टेबल राहुल अपने रिश्तेदार के बेटे सूरज (30) और मित्र धर्मवीर के साथ बाइक से पडरौना जा रहे थे। उसी दौरान बोदरवार क्षेत्र के एक गांव से बारात लेकर जा रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई।

स्थानीय लोगों ने घायल तीनों युवकों को तत्काल एंबुलेंस से रामकोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने कांस्टेबल राहुल को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान सूरज की भी मौत हो गई। रामकोला थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद गुप्ता ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रैक्टर–ट्रॉली को थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। धर्मवीर की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता–बहराइच। खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ललुही ग्राम पंचायत के टेपरा पुरवा गांव में सोमवार सुबह घर से करीब दो सौ मीटर दूर 26 वर्षीय राहुल मिश्रा पुत्र सच्चिदानंद मिश्रा का शव लटका देख इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही माता पिता अचेतन हो गए। सूचना पर उप निरीक्षक राम प्रवेश यादव, कांस्टेबल अवधेश यादव, हनुमान प्रसाद मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से शव को पेड़ से उतरवाया गया और फील्ड यूनिट को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट की टीम ने साक्ष्य संकलन किया। मृतक के पिता सच्चिदानंद मिश्रा ने बताया कि राहुल की शादी बीते पांच वर्ष पूर्व रूपईडीहा थाना क्षेत्र के बेलभरिया गांव निवासी गोविंद प्रसाद की बेटी रेनू के साथ हुई थी। लेकिन शादी के एक वर्ष बाद से आने जाने को लेकर विवाद शुरू हो गया था। एक तीन वर्षीय बेटा अंश है। बीते दिनों बहु को लाने राहुल गया हुआ था। लेकिन उन लोगों ने भेजने से इंकार कर दिया। तथा तीन दिन पूर्व थाने में राहुल के ससुराल वालों ने तहरीर देकर झूठा मुकदमा लिखवाने का दबाव बना रहे थे। और धमकियां भी दे रहे थे। घटना की सूचना ससुराल वालों को सबसे पहले दी गई है। लेकिन पांच घंटा बीत जाने के बाद भी ना तो राहुल की पत्नी आई है और न ही ससुराल पक्ष की ओर से कोई मौके पर पहुंचा है। थानाध्यक्ष जयदीप कुमार दुबे ने बताया कि शव को वैधानिक कार्यवाही पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

भिनगा में अभियान चलाकर हटाया गया अतिक्रमण

संवाददाता–श्रावस्ती। सड़क की पटरियों पर दुकानदारों की ओर से किए जा रहे अतिक्रमण से आवागमन में समस्या होती है। जिसे देखते हुए पुलिस ने अभियान चलाकर पटरियों को अतिक्रमण मुक्त कराया। साथ ही अतिक्रमण कारियों को दोबारा अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। भिनगा नगर में अतिक्रमण लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। दुकानदार पटरियों के साथ ही सड़क पर दुकान का सामान रखकर अतिक्रमण कर लेते हैं। साथ ही ठेला आदि सड़क पर खड़ा करते हैं। इससे दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है और लोगों को आवागमन में समस्या का सामना करना पड़ता है। सोमवार को भिनगा नगर में यातायात व्यवस्था को बाधारहित बनाने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इस दौरान भिनगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज, प्रभारी यातायात मोहम्मद शमीम व कस्बा प्रभारी राजकुमार सिंह ने टीम के साथ ईदगाह तिराहा से दहाना तिराहा तक अतिक्रमण हटवाया। पटरियों पर रखे सामान, खड़े ठेला आदि को हटवाकर सड़क व पटरियों को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। साथ ही लोगों को दोबारा अतिक्रमण न करने की हिदायत दी गई।

नाला निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाया

संवाददाता–देवरिया। प्रशासन ने सीसी रोड पर नाला निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। बुलडोजर से अवैध निर्माण और मकानों को तोड़ा गया। देवरिया में प्रशासन ने सीसी रोड पर नाला निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। बुलडोजर से अवैध निर्माण और मकानों को तोड़ा गया। प्रशासन की ओर से यह तीसरा प्रयास है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन, सदर एसडीएम, नगर पालिका के ईओ मौके पर मौजूद रहे। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया है। उनका कहना है कि सड़क के एक तरफ ही अतिक्रमण हटाया जा रहा है। दूसरी तरफ के अतिक्रमण पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया है। लोगों ने उत्तर प्रदेश सरकार से मामले की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि उनके मकानों को बार–बार क्यों तोड़ा जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई जनहित और विकास कार्यों के लिए की गई है। घटनास्थल पर तनाव का माहौल है। प्रशासन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने का आश्वासन दिया है।

नौकरी का झांसा देकर 40 शिक्षित बेरोजगारों से 40 लाख की ठगी

संवाददाता–बहराइच। जिले में शिक्षित बेरोजगारों को गांवों में ही नौकरी का झांसा देकर बड़े पैमाने पर लूटा जा रहा है। पंचायतों में निश्शुल्क शिक्षा देने को लेकर सुपर वाइजर पद पर रखे गए 30 से अधिक युवक व युवतियों से 40 लाख रुपये लेकर संस्था फरार हो गई है। मानदेय व सामान केंद्रों पर न पहुंचने पर लोगों को ठगी का शिकार होने की आशंका हुई। संबंधित नंबरों पर कॉल किया गया तो वह बंद हो गए। पीड़ितों ने डीएम को शिकायती पत्र सौंपा है। विशेश्वरगंज ब्लॉक क्षेत्र में लखीमपुर की संस्था फुगल फाउंडेशन की ओर से तीन से 14 आयुवर्ग के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हर पंचायत में सुपरवाइजरों की तैनाती की गई है।पहले

तीन माह में हर पद पर तैनात लोगों को 1200 रुपये व इसके बाद 10500 रुपये प्रति माह सैलरी देने का वादा किया गया था। इस पर चयन करने के लिए अभ्यर्थियों से एक से डेढ़ लाख रुपये तक वसूले गए थे। लक्खारामपुर के रहने वाले पीड़ित पंकज कुमार ने बताया कि 1200 रुपये खातों में आने पर उन लोगों को संस्था के सही होने पर विश्वास हो गया। इसके बाद उन लोगों से धन वसूली की गई। साथ ही हर केंद्र पर शिक्षण सामग्री भेजने व नियमित कक्ष संचालन को लेकर जरूरी नियम व बताई गईं। सांझे में आकर जब सभी लोगों ने कक्षाएं शुरू कर दिया। छह माह से अधिक समय बीत गया, लेकिन केंद्र पर कोई भी निरीक्षण व मानदेय न मिलने पर उन लोगों ने संबंधित संस्था के लोगों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो सभी मोबाइल ठप पाए गए। पीड़ित राजकुमार, सीताराम, दिनेश कुमार ने बताया कि कई बार संपर्क करने के बाद फोन रिसीव हुआ तो बताया कि ऊपर के अधिकारी धन लेकर फरार हो गए हैं। यह सुनकर पीड़ित अवाक रह गए। सोमवार को डीएम मोनिका रानी को संबोधित ज्ञापन एडीएम गौरव रंजन को सौंपा। एडीएमने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण के खिलाफ चलाया जाएगा अभियानत्र डीएम ने अवैध बस स्टैंड हटाने का दिया निर्देश

संवाददाता–बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग को उत्तर प्रदेश स्टेज कैरिज बस अड्डा नीति 2025 का व्यापक प्रचार करने को कहा। यह नीति सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में बस अड्डों की स्थापना से संबंधित है।

जिलाधिकारी ने स्थानीय यूनियनों और निवेशकों को नीति की जानकारी देकर प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। इससे प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं बढ़ेंगी और क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

वाहनों के संचालन को लेकर डीएम ने कहा कि सभी वाहन निर्धारित रूट पर ही चलें और ओवरलोडिंग न हो। उप जिलाधिकारियों और पुलिस क्षेत्राधिकारियों को अनाधिकृत बस अड्डों की सूची बनाने को कहा गया।

लोक निर्माण विभाग को पुलिस के साथ मिलकर सड़कों से अतिक्रमण हटाने और पटरियों की मरम्मत का निर्देश दिया गया। कुड़वा मोड़ पर वन विभाग और एनएचएआई को संयुक्त रूप से काम करने को कहा गया।

अधिशासी अभियंता को पिछले 3 सालों में ब्लैक स्पॉट पर खर्च की गई राशि का विवरण देने को कहा गया। साथ ही जिला उद्योग केंद्र, जिलाधिकारी कार्यालय के आसपास और रेहड़ी–ठेला वाले क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया।

डीएम ने निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु एनएच पर चलने वाले अनाधिकृत ट्रैक्टरों और सड़क के दोनों ओर खड़े होने वाले वाहनों विशेषकर ट्रकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाय। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रर्वतन कार्यों में निरन्तरता लाकर अवैध रूप से संचालित वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह, डीएफओ बहराइच अजीत प्रताप सिंह व कतर्नियाघाट के बी. शिवशंकर, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा व ग्रामीण के दुर्गा प्रसाद, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार, एआरटीओ प्रशासन राजीव कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे

छत से गिरा मजदूर गंभीर रूप से घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मन नगर निवासी रमजान (55) सोमवार को गांव में ही मजदूरी करने गया था। इस दौरान वह छत पर चढ़कर सरिया सीधी करने का काम रहा था। तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर गया और गंभीररूप से घायल हो गया। साथी मजदूरों की ओर से एम्बुलेंस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से घायल मजदूर को जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया गया।

तार जोड़ते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। बरहज थाना क्षेत्र के कपरवार पश्चिम टोला में सोमवार को सुबह विद्युत पोल पर एलटी लाइन का तार जोड़ते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की सूचना घर घर मे कोहराम मच गया। कपरवार में महेन फीडर से विद्युत आपूर्ति होती है। एक उपभोक्ता की लाईन पोल से कई दिनों से खराब थी। बिनोवापुरी टोला निवासी अखिलेश प्रसाद (35) पुत्र स्व रामकृत गांव में बिजली मरम्मत का कार्य करता था। सोमवार को करीब 10 बजे कपरवार पश्चिम टोला में मंटू के घर सामने लगे विद्युत पोल पर सीढ़ी के सहारे चढ़कर एलटी लाईन का तार जोड़ने लगा।

उस समय बिजली कटी थी। तार जोड़ते समय विद्युत आपूर्ति शुरू हो गई। करंट लगने से वह बुरी तरह से झुलस कर नीचे सड़क पर गिर गया। आसपास के लोग उसे एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल ले जाते तब तक उसकी मौत हो गई। मौत से घर में मचा कोहराम अखिलेश के मौत की सूचना घर पहुंची तो घर चीख–पुकार मच गई। बदहवास परिजन मौके पर पहुंचे। पत्नी संजू शव से लिपट कर दहाड़े मारने लगी। भाइयों का भी वही हाल था। अखिलेश 6 भाइयों में चौथे नंबर था। उसकी कोई संतान नहीं है।

बड़े मंगल पर होगी शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

संवाददाता–श्रावस्ती। बड़े मंगल पर हरदत्त नगर गिरंट के धन्नीपुरवा बुध बाजार चौराहे पर हनुमान जी के मंदिर तथा पूज्य बाबा गंगाराम के समाधि स्थल पर शिवलिंग की प्राण–प्रतिष्ठा की जायेगी। इसके लिए सोमवार से पूजा पाठ शुरू कर दिया गया है। धन्नीपुरवा चौराहे पर स्थित हनुमान मंदिर में बड़े मंगल पर विशेष पूजा किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। सोमवार को पंडित अश्वनी कुमार चौबे ने विधि विधान से पूजा अर्चना शुरू कराया। मंदिर में बाबा गंगाराम की समाधि बनी है और हनुमान जी की मूर्ति स्थापित है। इसी के साथ बड़े मंगल पर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान: स्कूलों में प्रतियोगिताएं, विजेताओं को मिले पुरस्कार

संवाददाता–बलरामपुर। भाजपा की ओर से अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत सोमवार को विभिन्न विद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा के नेतृत्व में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

डीएवी इंटर कॉलेज, एमपीपी इंटर कॉलेज, गर्ल्स इंटर कॉलेज, भारतीय इंटर कॉलेज उतरौला, स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज तुलसीपुर और लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज पचपेड़वा में रंगोली, भाषण और दौड़ प्रतियोगिताएं हुईं। डीएवी इंटर कॉलेज में दौड़ प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रभारी प्रधानाचार्य अजय कुमार सिंह ने रितू कनौजिया को प्रथम, ममता यादव को द्वितीय और अपूर्वा शर्मा को तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया।

स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज में भाजपा जिला महामंत्री विष्णुदेव गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुए। गर्ल्स इंटर कॉलेज में महिला जिलाध्यक्ष ललिता तिवारी और पूर्व नगर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। भारतीय इंटर कॉलेज उतरौला में शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक महेन्द्र प्रताप सिंह ने छात्रों को अहिल्याबाई होलकर के बारे में जानकारी दी।

लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज पचपेड़वा में विद्यालय प्रबंधक धमेन्द्र सिंह कलहंस ने बताया कि अहिल्याबाई होलकर ने अपने राज्य के साथ–साथ सामाजिक कार्यों में भी योगदान दिया और देश के कई मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया।

सपा नेता के तिलक समारोह में पहुंचे गोविंदा, बोले– मुझे किसी पार्टी से मतलब नहीं

संवाददाता–गोण्डा। जिले के परसपुर थाना क्षेत्र के मझौरा ग्राम पंचायत में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव दिग्विजय सिंह के तिलक समारोह में मशहूर फिल्म अभिनेता गोविंदा पहुंचे। यहां कार्यक्रम में सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं ने अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में गोविंदा ने भक्ति गीतों से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने अपनी फिल्मों के मशहूर डायलॉग और गाने पेश किए। उनको देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग बिना निमंत्रण के भी पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंच से संबोधित करते हुए गोविंदा ने कहा कि उन्हें राजनीतिक दलों से कोई लेना–देना नहीं है।

उन्होंने अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद हमेशा कलाकारों के साथ रहा है। गोविंदा ने अपनी मां निर्मला देवी के फिल्मी सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि उनकी मां ने 14 साल की उम्र में फिल्म लाइन में प्रवेश किया और शारदा का किरदार निभाया।

उन्होंने कहा कि उनकी मां ने सिर्फ 9 फिल्में कीं और तब उन्हें नहीं पता था कि वह गोविंद से गोविंदा बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो विश्व विख्यात हुए हैं, उन पर बाबा विश्वनाथ और प्रभु राम का आशीर्वाद सदैव बना रहता है।

दहेज के लिए पत्नी और बच्चों को घर से निकाला

संवाददाता–बलरामपुर। दहेज उत्पीड़न का एक नया मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने पति और सास–ससुर पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है।

महिला का विवाह देहात कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले सुरेश से करीब 12 साल पहले हुआ था। शादी के बाद से ही ससुराल वाले एक लाख रुपये दहेज की मांग कर रहे थे। रकम न मिलने पर वे महिला को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे।

15 मई 2025 की रात करीब 10 बजे पति और परिवार के अन्य सदस्यों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला की पिटाई की। उन्होंने उसे गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर महिला और उसके नाबालिग बच्चों को घर से निकाल दिया। इस दौरान महिला को कई जगह चोटें आईं।

पीड़िता ने अपना मेडिकल कराया है। चिकित्सीय प्रमाण पत्र थाने में जमा कर दिया गया है। देहात कोतवाली ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 498।, 323, 504, 506 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसों में छात्रा समेत पांच लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। तीन अलग अलग सड़क हादसों में एक छात्रा समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से दो घायलों को गंभीर हालते देखते हुए मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के संकल्पा गांव निवासी राजेन्द्र मिश्रा (21) पुत्र मालिक राम मिश्रा व पटना गांव निवासी रफीक अली (21) पुत्र दुलारे रविवार देर शाम को बाइक में पेट्रोल भरवाने शिकारी पेट्रोल पम्प गए थे। जहां से पेट्रोल भरवाकर घर लौट रहे थे। इस दौरान रास्ते में सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीररूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया। जहां से उन्हें मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर क्षेत्र के जैता जानकी गांव स्थित इण्टर कालेज में पढ़ने आई कक्षा आठ की छात्रा रिमझिम (13) पुत्री हरीशंकर निवासी तुराब गांव थाना नवाबगंज जनपद बहराइच छुट्टी के बाद साइकिल से वापस घर जा रही थी। मल्हीपुर–बाबागंज मार्ग चमरपुरवा चौराहे के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा घायल हो गई। सूचना पर पहुंचे विद्यालय के शिक्षक यशवंत वर्मा ने छात्रा को पास के ही निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। बहराइच के मटेरा क्षेत्र स्थित ओझवा निवासी मनीष कुमार वर्मा (32) श्रावस्ती के सोनवा क्षेत्र स्थित बरदेहरा मोड़ पर दुकान करता है। रविवार देर शाम वह दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहा था। गिरंट बाजार के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे साइकिल सवार बहराइच जिले के बिलासपुर निवासी मुकेश (30) से टक्कर हो गई। हादसे में दोनों घायल हो गए। लोगों ने एंबुलेंस से दोनों घायलों को सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया।

धूमधाम से मनाई गई अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

संवाददाता–बहराइच। जिले भर में सोमवार को अहिल्याबाई होल्कर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्राओं के बीच रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्मृति अभियान चलाकर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। नवाबगंज मे दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया। शहर के तारा महिला इंटर कालेज में छात्राओं ने रंगोली बनाई। भाजपा के नगर उपाध्यक्ष रजनी सक्सेना ने छात्र–छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन चरित्र के बारे में जानकारी दी। नगर अध्यक्ष अमित शर्मा, प्रधानाध्यापिका अंजू उपाध्याय आदि रहे। हिल्या बाई होलकर का स्मृति अभियान चलाया गया। रिसिया कस्बे के चंद्रशेखर बालिका इंटर कालेज में रंगोली प्रतियोगिता व स्मृति अभियान चलाया गया।

संयोजक कमलेश आर्य, प्रधानााचार्या मधु चौधरी, वेद कुमारी, शशि बाला मौजूद रहे। सरस्वती इंटर कालेज में प्रधानाचार्य सुनील कुमार राय के निर्देशन में स्मृति अभियान चलाया गया। मुख्य अतिथि हलीम अहमद व विशिष्ट अतिथि प्रभात गुप्ता रहे। उन्होंने होलकर के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला। संचालन बीएन सिंह ने किया। एम पी सिंह ने हाईस्कूल व इंटर के उत्तीर्ण बच्चों का हौंसला बढ़ाया। लक्ष्मण प्रसाद, विनय शर्मा, विनीत कुमारी सिंह, सुचित्रा मिश्रा, केशवराम यादव आदि रहे। नवाबगंज के जवाहर लाल राष्ट्रीय इंटर कालेज में छात्राओं ने रंगोली बनाई। दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रधानाचार्य जेपी वर्मा ने छात्र–छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन चरित्र के बारे में जानकारी दी। 100 मीटर दौड़ में जिशान प्रथम, अकरम दूसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में तकदीरुन प्रथम, सिमरन दूसरे स्थान पर रहीं। संतोष कुमार श्रीवास्तव, अब्दुल हफीज खान, कमलेश सिंह, चंद्रशेखर तिवारी आदि रहे।

खराब रैंकिंग वाले अधिकारियों को डीएम ने लगाई फटकार

संवाददाता–गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड पर चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न विभागों की प्रगति का जायजा लिया।समीक्षा में एनआरएलएम, जल निगम, पंचायती राज, विद्युत, पर्यटन, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पशुपालन, समाज कल्याण, प्रोबेशन और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग शामिल रहे। जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग वाले विभागों को कड़ी चेतावनी दी।डीएम ने विशेष रूप से एनआरएलएम, पंचायती राज, जलजीवन मिशन, पीडब्ल्यूडी, माध्यमिक शिक्षा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान और पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की शत–प्रतिशत फीडिंग कर रैंकिंग में सुधार लाएं।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को सीएम डैशबोर्ड की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय में पूरा करें। छोटी–छोटी कमियों पर भी ध्यान दें।बैठक में जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए चन्द्र शेखर, डीपीआरओ लालजी दूबे समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे

कार–ट्रैक्टर की टक्कर, बेटे की शादी से लौट रहे पिता की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–गोण्डा। नवाबगंज में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। नवाबगंज के धर्मपुरवा निवासी विजय कुमार तिवारी अपने बेटे की शादी से लौट रहे थे। इस दौरान गोरखपुर–अयोध्या मार्ग पर गोटवा–कटया के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली ने उनकी स्विफ्ट डिजायर कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार विजय तिवारी के साथ उनके भतीजे महेश तिवारी और रिश्तेदार उमेश पांडेय, आनंद मिश्रा तथा श्याम मणि पाठक भी घायल हुए। फूटहिया चौकी की पुलिस ने सभी घायलों को स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। विजय की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान रविवार को उनकी मौत हो गई। विजय तिवारी के परिवार में चार बेटियां और एक बेटा हैं। तीन बेटियों की शादी हो चुकी है। वे अपने बेटे गौरव की शादी से लौट रहे थे, जो 11 अप्रैल को संत कबीर नगर के खलीलाबाद में हुई थी। उनकी पत्नी मन्नू देवी का रो–रो कर बुरा हाल है। सोमवार को मृतक का अयोध्या में अंतिम संस्कार किया गया। भाजपा विधायक रमापति शास्त्री, विधायक प्रतिनिधि वेदप्रकाश दूबे, रवी श्रीवास्तव, बाबूलाल शास्त्री सहित कई लोगों ने मृतक के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की।

गांजा तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने अंटा तिराहे से पकड़ा, 1.41 किलो गांजा बरामद

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली भिनगा पुलिस ने अंटा तिराहे के पास से राजन गिरि उर्फ तोमनन्द गिरि को पकड़ा है। आरोपी के पास से 1 किलो 41 ग्राम गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में यह कार्रवाई की गई। कोतवाली भिनगा के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अंटा तिराहे से जानकीनगर जाने वाली मोड़ पर यह कार्रवाई की। दरअसल जानकारी के मुताबिक आरोपी राजन गिरि अहलाद नगर मुर्तिहवा थाना सिरसिया का रहने वाला है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली भिनगा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

हाल ही में पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इसी क्रम में सिरसिया थाना प्रभारी राजकुमार सरोज को कोतवाली भिनगा का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को छोटे–बड़े सभी मामलों में तत्काल कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं।

लेनदेन के विवाद में प्रॉपर्टी डीलरों ने युवकों को स्कॉर्पियो से कुचला, एक की मौत, दो की हालत नाजुक

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रॉपर्टी डीलरों ने लेनदेन के विवाद में तीन युवकों को स्कॉर्पियो से कुचल दिया। इसमें एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो की हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। पुलिस पहले इसे हादसा बता रही थी। लेकिन, परिवार वालों के आरोपों और तहरीर के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना अयोध्या कोतवाली क्षेत्र की है। घटना में निखिल निषाद की मौत हुई है। वह मूल रूप से महाराजगंज थाना क्षेत्र के सोनेसा गांव का रहने वाला था। वहीं उसके दो दोस्तों की हालत नाजुक बनी हुई है। मामले में निखिल की मां आरती निषाद की तहरीर पर पांच नामजद एवं चार अज्ञात के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास और बलवा का मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया गया कि मोहन और हनुमान के साथ निखिल प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। प्रॉपर्टी बिकने के बाद निखिल को हनुमान व मोहन से कुछ पैसे मिलने थे। पैसे को लेने के लिए वह अपने दो दोस्तों के साथ रामपुर हलवारा गांव गया था। वहां लेनदेन को लेकर हनुमान और मोहन से कहासुनी हो गई। इस पर उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। इतना ही नहीं अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी–डंडा व लोहे की रॉड से निखिल पर हमला कर दिया। निखिल अपने दोस्तों के साथ बाइक से किसी तरह वहां से भाग निकला। आरोपियों ने स्कॉर्पियो से उसका पीछा किया। अकबरपुर रोड पर बाइक में टक्कर मार दी। इसमें निखिल की घटनास्थल पर मौत हो गई। उसके दोस्तों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहां हालत नाजुक देखते हुए उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस इसे हादसा बता रही थी। लेकिन, परिवारीजनों के आरोपों के बाद हत्या का केस दर्ज किया है। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि मृतक की मां की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। स्कार्पियो चालक को कस्टडी में लेकर पूछताछ की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के ग्राम सभा डोडो में सोमवार की सुबह एक युवक का शव गांव के बाहर के बगीचे में कटहल के पेड़ पर लटकता हुआ मिला। मृतक की पहचान श्याम कुमार गौड़, पुत्र रामदयाल, निवासी डोडो के रूप में हुई। युवक की शादी अगले महीने 6 जून को होनी थी। इससे पहले उसकी मौत हो गई। घर में शादी की तैयारियां जोर शोर से चल रही थी। इसी बीच मौत के खबर से मातम फैल गया। परिजनों के अनुसार, श्याम गौड़ पुत्र रामदयाल उम्र 25 वर्ष तीन बहनों का इकलौता भाई और परिवार का एकमात्र वारिस था। घर में शादी की खुशियां मनाई जा रही थीं, लेकिन इस घटना ने खुशी को मातम में बदल दिया। शव को एक छोटे से कपड़े से पेड़ पर लटकता देख परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि शव जमीन से काफी नीचे था, जो आत्महत्या की जगह किसी साजिश की ओर इशारा करता है।

सूचना मिलते ही फिरहला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अर्चना सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि यह हत्या है या आत्महत्या।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के समर्थन में उतरे भाजपा नेता, गिरफ्तारी को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। भाजपा नेता और पूर्व सांसद रितेश पांडे अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रोफेसर की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। पूर्व सांसद ने शेयर अपने पोस्ट में उनकी रिहाई की मांग की है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर पर दिए गए विवादित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए हरियाणा पुलिस ने प्रोफेसर अली खान को गिरफ्तार किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रितेश पांडे ने लिखा, अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खघन महमूदाबाद की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं प्रोफेसर अली खघन को व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ, हम दोनों बहुत समय से मित्र हैं। मैं उनके परिवार से भी अच्छी तरह परिचित हूँ और अभी उनके परिवार को उनकी जरूरत भी है। प्रोफेसर अली खघन बहुत भले और समझदार व्यक्ति हैं। राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण पर कोई प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। भाजपा नेता ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, सोशल मीडिया के जिस पोस्ट के आधार पर उन पर केस किया गया है और गिरफ्तारी हुई है, वह पोस्ट उन्होंने हटा भी दिया था। वैसे भी उस पोस्ट में ऐसी कोई बात नहीं कही गई थी, जिसके लिए पुलिस में शिकायत की जाए या उन्हें गिरफ्तार किया जाए। मैं यह आशा करता हूँ कि प्रोफेसर अली खघन के साथ शीघ्र न्याय हो. इस तरह से कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है। अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद महिला अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेंस को लेकर कहा था कि ये प्रेस ब्रीफिंग दिखावा और ढोंग है। महिला अधिकारियों को आगे करना एक दिखावा है और नेरेटिव खड़ा करने की कोशिश है। अली खान महमूदाबाद ने इतिहास से पढ़ाई की है। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से पीएचडी और एमफिल की डिग्री हासिल की है। राजनीतिक टिप्पणीकार और स्तंभकार अली खान ने पॉलिटिकल साइंस और यूनिवर्सिटी ऑफ दमिश्क से अरबी की भी पढ़ाई की है। अली खान दिवंगत आमिर मोहम्मद खान के बेटे हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2020
धारा 67 क (1) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
हर्षवर्धन आदि
बनाम
ग्राम पंचायत
1. ग्राम पंचायत पिसौवा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला–संतकबीरनगर
तारीख पेशी 23–05–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 05 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
उत्तराधिकार प्रार्थन पत्र सं0 296/2024
शोभा सिंह–सायलान
1. शोभा सिंह उम्र लगभग 63 साल पत्नी स्व0 कृष्णपाल सिंह 2. सौरभ सिंह उम्र लगभग 41 साल 3. गौरव सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्रगण स्व0 कृष्णपाल सिंह निवासीगण मौजा अटवा वार्ड नं0– 5 मोतीनगर नगर पंचायत हर्रैया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम 1925
तारीख पेशी 23–05–2025
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 23–05–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दस दिन तक मनाई जाएगी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में भाजपा जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम ने कहा कि पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत दस दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जयंती कार्यक्रम 21 से 31 मई तक जिले भर में भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम ने कहा कि भाजपा द्वारा महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती भव्य तरीके से 21 से 31 मई तक जिले भर में मनाई जाएगी। अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बैठकें, गोष्ठियां, शोभायात्रा, महिला सशक्तिकरण दौड़, कॉलेज–विश्वविद्यालयों में प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, नृत्य–नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रदर्शनी का आयोजन होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष नीतू सिंह ने कहा रानी अहिल्याबाई ने विषम परिस्थितियों में भी अपना साहस एवं राष्ट्रप्रेम कम नहीं होने दिया। वे आज भी नारी समाज की प्रेरणा स्रोत बनी हुई हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–688/1994
कृपाशंकर
बनाम
हरीराम आदि
1/1/1 धर्मेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 ओम प्रकाश 1/1/2 आशा देवी पत्नी स्व0 ओम प्रकाश साकिन कूढ़ा तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 1/1/3 रेनू पुत्री स्व0 ओम प्रकाश हाल मुकाम पत्नी दीपक उपाध्याय साकिन खड़ौवा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 1/1/4 नीलू पुत्री स्व0 ओम प्रकाश हाल मुकाम पत्नी बालकृष्ण दूबे साकिन भतरिन्हवा जोत तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 1/1/5 शीलू पुत्री स्व0 ओम प्रकाश हाल मुकाम पत्नी निर्भय उपाध्याय साकिन नवली तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 29–05–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार नगर जिला–बस्ती
दयाराम
बनाम
माता प्रसाद
1. राकेश कुमार पुत्र स्व0 दयाराम 2. राजेश कुमार पुत्र स्व0 दयाराम 3. राजपती देवी पत्नी स्व0 दयाराम साकिन सुअरहा तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–05–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 13 माह 05 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
निगरानी सं0– C 201917000000719
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती सावित्री देवी
बनाम
रामलखन आदि
1/1 रामकिशुन वालिग पुत्र स्व0 रामलखन 2. निर्मला देवी पत्नी स्व0 श्रीराम 3. रामू 4. रमाकान्त पुत्रगण स्व0 श्रीराम 5. लवकुश पुत्र स्व0 बाबूराम 6. मुरता देवी पत्नी स्व0 बाबूराम 7. सुमेरे पुत्र रतन 8. कलावती पत्नी रामकिशुन साकिनान मौजा नकछेदचक तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 9. ग्राम पंचायत भीमापार जरिये प्रधान भीमापार तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–05–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

पुलिस ने नदी किनारे से एक क्विंटल लहन किया नष्ट

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अवैध शराब निर्माण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

मिश्रौलिया थाने के थानाध्यक्ष नारायण लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को ग्राम सोनौली नानकार में छापेमारी की। नदी किनारे से पुलिस को अवैध शराब बनाने की सामग्री मिली। मौके से करीब एक क्विंटल लहन बरामद कर नष्ट किया गया।

इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष नारायण लाल श्रीवास्तव के साथ उप–निरीक्षक सुदीप कुमार यादव, मुख्य आरक्षी पंकज दुबे, राकेश कुमार, उमेश यादव, आरक्षी कुलभास्कर और महिला आरक्षी अनुराधा गुप्ता शामिल थे। यह अभियान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर और क्षेत्राधिकारी इटवा शुभेंदु सिंह के निर्देशन में संचालित किया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–357/2021
नूरफातमा
बनाम
अनीसा खातून आदि
1/1 निकहत फात्मा उम्र लगभग 48 वर्ष 1/2 तहजीब फात्मा उम्र लगभग 46 वर्ष 1/3 वुजहत फात्मा उम्र लगभग 42 वर्ष 1/4 यासमीन फात्मा उम्र लगभग 38 वर्ष 1/5 रूकैया फात्मा उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्रीगण सैय्यद सहाबुद्दीन व अनीसा खातून साकिन बाकर मंजिल मो0 तुरकहिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 16–07–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

गोकशी के मामले में वांछित अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के तहत एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है।

चिल्हिया थाना पुलिस ने सोमवार को लेदवा गांव के पास वर्डपुर गौरा रोड से अभियुक्त असगर उर्फ किनकिन को गिरफ्तार किया। आरोपी ने 5–6 अप्रैल की रात बचड़ा बचड़ी गांव में गोकशी की वारदात को अंजाम दिया था।

गिरफ्तार आरोपी असगर उर्फ किनकिन, कतीवन बंजारा का पुत्र है और गोपीजोत, थाना मोहाना, सिद्धार्थनगर का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से दो छुरी, एक नायलॉन की रस्सी और एक लकड़ी का ठीहा बरामद किया है।

गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष रामदेव के नेतृत्व में उप–निरीक्षक सर्वेश चंद्र और कांस्टेबल दिनेश यादव, आलोक यादव तथा सिकंदर की टीम शामिल थी। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ और क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय के पर्यवेक्षण में की गई।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1424/2021
मायाराम पाण्डेय
बनाम
कमेश्वर मिश्रा आदि
1. कमेश्वर मिश्रा पुत्र महेशदत्त मिश्रा 2. श्रीमती संगीता देवी 3. श्रीमती शारदा देवी पुत्रीगण सत्यदेव पाण्डेय 4. श्रीमती सरस्वती देवी बेवा सत्यदेव पाण्डेय हाल मुकाम बटौली तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 30–07–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सहारा चेरी ट्रस्ट ने जरूरतमंद परिवारों की बेटियों को दीं सिलाई मशीनें

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद में सहारा चेरी ट्रैवल ट्रस्ट ने एक निजी होटल में सिलाई मशीन वितरण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सिलाई मशीनें दी गईं।

भाजपा नेत्री डॉ. सोनी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में लाभार्थी बेटियों को सिलाई मशीनें वितरित कीं। ट्रस्ट की प्रदेश उपाध्यक्ष अर्चना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। ट्रस्ट के डायरेक्टर डॉ. एकलाक अहमद ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह और पुष्प भेंट किए।

डॉ. सोनी सिंह ने कहा कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष अर्चना श्रीवास्तव ने कहा कि समाज में बेटों को ही परिवार का सहारा माना जाता है। लेकिन आज बेटियां भी अपनी मेहनत से आर्थिक रूप से सक्षम बन रही हैं और मुसीबत में परिवार का सहारा बन रही हैं।

कार्यक्रम में अमित कुमार यादव, विजय कुमार सैनी और रमेश कुमार दुबे समेत कई लोग उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान एकदश अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–231/2015
सन्तराम
बनाम
विश्वनाथ आदि
1. विश्वनाथ पुत्र पूर्णवासी 2. कलावती पत्नी विश्वनाथ 3. रामसूरत 4. सन्त कुमार पुत्रगण विश्वनाथ निवासीगण मौजा टेडवा तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया पोस्ट कटरिया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–07–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

फिल्म स्टार गोविंदा ने रामलला का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

संवाददाता–अयोध्या। प्रख्यात फिल्म अभिनेता गोविंदा ने सोमवार को रामलला के दर्शन किए। वह एक वैवाहिक कार्यक्रम में पड़ोसी जनपद गोंडा पहुंचे थे। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव विजय सिंह के तिलकोत्सव के अवसर पर उनके गोंडा स्थित पैतृक निवास रामेश्वर पुरवा मिश्रौरा परसपुर में बॉलीवुड के सुपर स्टार गोविंदा पहुंचे थे।

उन्होंने वहां से अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा क्लाइंट आधार हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड शाखा अयोध्या ब्रान्च आफिस 05/17/171 प्रथम तल शक्ति नगर कालोनी देवकाली स्मार्ट बाजार के सामने अयोध्या की तरफ से सूचित किया जाता है कि सुरेन्द्र कुमार वर्मा पुत्र बसन्त राम निवासी वार्ड नं. 4 हनुमानगढ़ी नगर पंचायत हरैया जिला बस्ती में एक बैनामा 1040 वर्ग फिट का स्थित गाटा संख्या 263 मुरादीपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती जिसकी चौहदी–पूरब–15 फिट रोड, पश्चिम– पॉचू का खेत, उत्तर प्लाट सुशीला देवी और प्लाट मुकिर कर रही है को बन्धक रखने के लिये आवेदक किया है यदि किसी व्यक्ति सम्पत्ति बन्धक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति मे आपत्ति है इस प्रकाशन में 7 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी प्रकार के उपरोक्त संस्था को बन्धक रखने मे कोई आपत्ति नही है।

सचिन शंकर एडवोकेट
शेड न03 सिविल कोर्ट
अयोध्या मो0–8299765176

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com